MANAGE
मैनेज
# MANAGE Bulletin
www.manage.gov.in

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान सितंबर 2021

## महानिदेशक का संदेश

हमें सुश्री शोभा करंदलाजे, राज्य मंत्री, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का मैनेज में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। माननीया मंत्री जी ने अग्रणी कृषि संस्थानों के प्रमुखों और मैनेज फैकल्टी के साथ बातचीत की और किसानों के मुद्दों के समाधान के लिए कृषि संगठनों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

अपनी अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को जारी रखते हुए, भारत में यूएसएआईडी मिशन की निदेशक सुश्री वीना रेड्डी ने एक इंटरफेस मीटिंग के लिए अधिकारियों की एक टीम के साथ मैनेज का दौरा किया और विकासशील देशों में कृषि विकास के लिए मैनेज और यूएसएआईडी के बीच सहयोग को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) और कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के समर्थन से, मैनेज की ओर से किसानों की आय को दोगुना करने और स्थायी कृषि सुनिश्चित करने के लिए मधुमक्खी पालन सेक्टर को एक गतिविधि के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। मैनेज विस्तार सेवाओं पर ध्यान केंद्रित करेगा और इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और विपणन पर किसानों, कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप की क्षमता का निर्माण करेगा और मधुमक्खी पालन और शहद मिशन के तहत वित्तपोषण के लिए आगे-पीछे के संयोजनों को जानने के लिए अध्ययन करेगा।

हमें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि मैनेज अपने समझौता ज्ञापन सहयोगियों, एसबीआई एवं नाबार्ड, हैदराबाद के सहयोग से एनटीआई-सीईडी, हैदराबाद के 26 एसीएबीसी प्रशिक्षित उम्मीदवारों के लिए प्रशिक्षण के समापन दिवस पर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र के साथ बैंक ऋण की स्वीकृति की व्यवस्था कर रहा है।

प्रशिक्षण की श्रेणी में, मैनेज ने मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी-एक्सटेंशन (एमएसयू-ई) के सहयोग से संयुक्त रूप से "कृषि विस्तार प्रबंधन में नवाचार" पर एक ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम आयोजित किया, जिसमें भारत और विकासशील देशों से नवाचार-आधारित कृषि विस्तार दृष्टिकोणों पर अनुभवों को साझा करने पर सफतापूर्वक ध्यान केंद्रित किया गया। इस अनुभव के साथ, मैनेज और एमएसयू-एक्सटेंशन ने 2022 में तिमाही आधार पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई है।

हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि "मैनेजइंडिया" यूट्यूब चैनल ने 25000 सब्स्क्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इस चैनल पर किसानों, कृषि छात्रों और कृषि विस्तार पेशेवरों के लाभ के लिए कृषि पद्धतियों, नवोन्मेषी किसानों, सफलता की कहानियां आदि पर सूचनात्मक वीडियो साझा किए जाते हैं।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक

### इस अंक में


- तेलंगाना राज्य में एसी और एबीसी को मजबूत करना
- कृषि विस्तार पर मैनेज - एमएसयू संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम
- दक्षिणी क्षेत्र में मधुमक्खी पालन सेक्टर को बढ़ावा देने पर कार्यशाला
- माननीय राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे का मैनेज दौरा
- एच.ई. सुश्री वीना रेड्डी, यूएसएआईडी मिशन निदेशक का मैनेज दौरा
- जलवायु-स्मार्ट कृषि पर मैनेज-आईसीएआर संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम
- मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला - 7
- कृषि चाणक्य - 2021
- मैनेज YouTube चैनल ने 25,000 सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार किया

# तेलंगाना राज्य में एसी और एबीसी को मजबूत करना

मैनेज, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), हैदराबाद और नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय, हैदराबाद के बीच हस्ताक्षरित त्रिपक्षीय समझौता लाभ देने लगा है। इस समझौता ज्ञापने के परिणामस्वरूप नोडल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनटीआई) - सेंटर फॉर एंटरप्रेन्योरशिप डेवलपमेंट (सीईडी), हैदराबाद के 26 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण और मूल राशि का ऋण अनुमोदन दिया जा सका। इसने तेलंगाना में कृषि उद्यमिता को सशक्त बनाने में एसी और एबीसी योजना के इतिहास में एक मील का पत्थर तय किया है।

24 सितंबर 2021 को स्वर्ण भारती ट्रस्ट, हैदराबाद में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और एसबीआई-हैदराबाद, टीएसएजीआरओएस और सीईडी के अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित विदाई समारोह में एनटीआई - सीईडी, हैदराबाद के 30 में से 26 उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र के साथ ऋण की सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

# कृषि विस्तार पर मैनेज - एमएसयू संयुक्त अंतर्राष्ट्रीय पाठ्यक्रम

एमएसयू के कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर एंड नेचुरल रिसोर्सेज (CANR) में मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी एक्सटेंशन के सहयोग से मैनेज ने 13-17 सितंबर 2021 के दौरान "कृषि विस्तार प्रबंधन में नवाचारों पर ऑनलाइन अंतर्राष्ट्रीय लघु पाठ्यक्रम" का आयोजन किया। संयुक्त राज्य अमेरिका, भारत, रवांडा, इथियोपिया, घाना और केन्या के पंद्रह वरिष्ठ कृषि विस्तार पेशेवरों ने इस ऑनलाइन पाठ्यक्रम में भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम में कृषि विस्तार के भूमि-अनुदान मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया गया था और इस कार्यक्रम में भारत और अन्य विकासशील देशों के किसानों को सेवा प्रदान करने वाले कृषि विस्तार कार्यक्रमों की योजना, डिजाइन, कार्यान्वयन, प्रबंधन और मूल्यांकन में सर्वश्रेष्ठ पद्धितयों को साझा किया गया।

एमएसयू-एक्सटेंशन, मैनेज के फैकल्टी सदस्यों और नाइजीरिया, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान के विशेषज्ञों ने कृषि विस्तार में नवाचारों पर केस स्टडी, प्रस्तुतियों, सफलता की कहानियों और वीडियो फिल्मों के माध्यम से अपने अनुभव साझा किए।

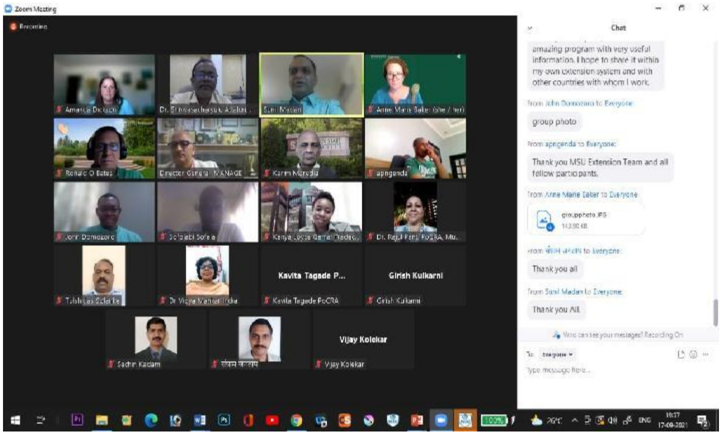


इस पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में "नवोन्मेष-उन्मुख कृषि विस्तार प्रबंधन पर अंतराष्ट्रीय पैनल विचार-विमर्श" आयोजित किया गया था, जिसमें डॉ. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. क्वेंटिन टायलर, निदेशक एमएसयू-एक्सटेंशन, डॉ. करीम मारेडिया, निदेशक, सीएएनआर अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम, डॉ. रोनाल्ड बेट्स, निदेशक, एएबीआई, एमएसयू एक्सटेंशन और डॉ. चार्ल्स अखिगबे, मरीन एंड इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड, नाइजीरिया पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया था।

# दक्षिणी क्षेत्र में मधुमक्खी पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने पर कार्यशाला

3 सितंबर 2021 को मैनेज, हैदराबाद में मैनेज और राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी), नई दिल्ली द्वारा संयुक्त रूप से "दक्षिणी क्षेत्र में मधुमक्खी पालन सेक्टर को बढ़ावा देना" पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई थी। 250 से अधिक हितधारकों ने भौतिक और ऑनलाइन मोड दोनों के माध्यम से इस कार्यशाला में भाग लिया, जिसमें कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी, राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम), राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी), एनसीडीसी, सहकारिता, बैंक, राज्य कृषि / बागवानी विभागों के निदेशक / आयुक्त, मैनेज की फेक्लटी, एसीएबीसी योजना के तहत कृषि स्टार्टअप और राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान शामिल हैं। महानिदेशक, मैनेज डॉ. पी. चंद्रा शेखर ने अपने स्वागत भाषण में किसानों की आय को दोगुना करने और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को सुनिश्चित करने में मधुमक्खियों और मधुमक्खी पालन के महत्व को चिह्नित किया। उन्होंने महसूस किया कि इस क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मधुमक्खी पालन, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और इस सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए विपणन पर विस्तार सेवाएं प्रदान करने और किसानों, कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप की क्षमताओं का निर्माण करने की बहुत आवश्यकता है।

मुख्य अतिथि डॉ. अभिलक्ष लेखी, आईएएस, अतिरिक्त सचिव, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने परागण के माध्यम से फसल उत्पादकता को बढ़ावा देने और देश में स्थायी कृषि सुनिश्चित करने के लिए मधुमक्खी पालन / मधुमक्खी को कृषि में एक इनपुट समझने की आवश्यकता पर बल दिया। मधुमक्खी पालन/मधुमक्खियों के महत्व को ध्यान में रखते हुए, आईसीएआर संस्थानों, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों और राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में कृषि, बागवानी विभागों को एक मिशन मोड में मिलकर काम करने की आवश्यकता है। उन्होंने यह वांछा की कि मैनेज मधुमक्खी पालन/मधुमक्खी क्षेत्र में कृषि स्टार्टअप और कृषि उद्यमियों का एक डेटाबेस तैयार करें और मधुमोम की क्षमताओं का अध्ययन करें मधुमक्खी पालन और शहद मिशन के तहत वित्त पोषण की फारवर्ड एवं बैकवर्ड लिंकेजों का पता लगाया जा सके।

उन्होंने कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा लघु एवं सीमांत किसानों और इस महत्वपूर्ण श्रृंखला के अन्य हितधारकों की सहायता के लिए स्थापित मधु क्रांति पोर्टल को चिह्नित किया। उन्होंने कहा कि देश में मधुमक्खी पालन और शहद मिशन में तेजी लाने के लिए एफपीओ, समितियों और सहकारी समितियों को बढ़ावा देने की जरूरत है। डॉ. अभिलक्ष लेखी ने बताया कि दक्षिणी क्षेत्र से 9000 मीट्रिक टन शहद का उत्पादन किया जा रहा है और इन गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए, दक्षिणी क्षेत्र के 14 जिलों को चिह्नित किया गया है जहां मधुमक्खी और मधुमक्खी पालन सेक्टर में महत्वपूर्ण श्रृंखला गतिविधियों में सुधार के लिए बुनियादी ढांचा विकसित किया जा सकता है। उन्होंने राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, मैनेज और क्षेत्रीय सहकारी संस्थानों के माध्यम से वैज्ञानिक मधुमक्खी पालन, गहन तकनीकी प्रशिक्षण, कौशल में सुधार और ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकियों तथा क्यूआर कोड के उपयोग हेतु प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया।

# दक्षिणी क्षेत्र में मधुमक्खी पालन क्षेत्र को बढ़ावा देने पर कार्यशाला

उन्होंने भारत सरकार के आरकेवीवाई-रफ़्तार परियोजना के तहत मैनेज द्वारा प्रोत्साहित सात मधु-आधारित कृषि स्टार्टअप्स द्वारा निर्मित शहद और मघुमोम-आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया। इन एग्री स्टार्टअप्स के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों ने जैविक छत्ते के शहद, नॉन-फ्लाउरिंग अवधि के दौरान शहद उत्पादन, प्राकृतिक संरक्षण तकनीक, प्रसंस्करण, पैकिंग, विपणन, मधुमक्खी के छत्ते की स्मार्ट निगरानी प्रणाली, ब्लॉक चेन और क्यूआर आधारित तकनीक का प्रयोग, ऐप-आधारित प्रबंधन आदि के लिए आईओटी नियंत्रित मधुमक्खी बॉक्स में अपने अनुभव साझा किए। वे चाहते थे कि देश में मधुमक्खी पालन/मधुमक्खी को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता, प्रशिक्षण और अवसर प्रदान किए जाने की आवश्यकता है।

डॉ. एस.के. मल्होत्रा, कृषि एवं बागवानी आयुक्त, भारत सरकार ने राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन और शहद मिशन (एनबीएचएम) पर संक्षिप्त विवरण दिया और कृषि अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य सरकारों, कृषि उद्यमियों और किसानों से देश में मधुमक्खी पालन और शहद मिशन को लागू करने के लिए ठोस प्रयास करने का आग्रह किया। उन्होंने कृषि में परागण सेवाओं को चिह्नित किया। उन्होंने महसूस किया कि देश में इस मिशन को आगे बढ़ाने के लिए भागीदारों और मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और प्रशिक्षण का योगदान बहुत महत्वपूर्ण हैं।

डॉ. एन.के. पटले, अपर आयुक्त (बागवानी) एवं कार्यपालक निदेशक, राष्ट्रीय मधुमक्खी बोर्ड (एनबीबी) ने कहा कि मधुमक्खी पालन और मधुमक्खियां न केवल किसानों को आय प्रदान करेंगी बल्कि पर्यावरण के अनुकूल तरीके से परागण के माध्यम से फसल उत्पादकता में भी वृद्धि करेंगी। उन्होंने बताया कि एनबीबी उच्च स्तरीय मधुमक्खी पालन विकास समिति (बीडीसी) की सिफारिशों को लागू करने का प्रयास कर रहा है और आईसीएआर, राज्य कृषि विश्वविद्यालयों, राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के कृषि / बागवानी विभागों और अन्य संगठनों से देश में मधुमक्खी पालन और शहद मिशन में तेजी लाने को कहा।

तकनीकी सत्रों के दौरान, नेफेड के महाप्रबंधक डॉ उन्नीकृष्णन ने मधुमक्खी पालन के लिए नेफेड की रणनीति साझा की। डॉ. सरवनन राज, निदेशक (कृषि विस्तार), मैनेज ने मधु सेक्टर में कृषि-स्टार्टअप का विवरण दिया और इस सेक्टर में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा की। इंडियन बैंक, नई दिल्ली के श्री जय प्रकाश ने मधु और अन्य मधुमक्खी उत्पादों के स्रोत का पता लगाने पर एक प्रस्तुति दी। एल वेंकटराम रेड्डी, बागवानी और रेशम उत्पादन के निदेशक, तेलंगाना सरकार ने राज्य सरकार द्वारा कार्यान्वित किए जा रहे बागवानी, मधुमक्खी पालन और मधुमक्खी कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया।

## माननीय राज्य मंत्री सुश्री शोभा करंदलाजे द्वारा मैनेज का दौरा

सुश्री शोभा करंदलाजे, माननीय राज्य मंत्री, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने 11 सितंबर 2021 को मैनेज का दौरा किया। उन्होंने प्रमुख कृषि अनुसंधान संस्थानों के प्रमुखों के साथ बातचीत की, जिनमें आईसीएआर-नारम, आईसीएआर-आईआईएमआर, आईसीएआर-आईआरआरआई, आईसीएआर-आईआईओआर, एनआईपीएचएम, आईसीएआर-क्रिडा, आईसीएआर-एनआरसीएम और मैनेज के संकाय सदस्य शामिल थे और प्रत्येक संगठन की चालू गतिविधियों की समीक्षा की। उन्होंने किसानों के मुद्दों के समाधान के लिए कृषि संगठनों के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

## महामहिम सुश्री वीना रेड्डी, यूएसएआईडी मिशन निदेशक द्वारा मैनेज का दौरा

### यूएसएआईडी – मैनेज इंटरफ़ेस मीटिंग

भारत में यूएसएआईडी मिशन की निदेशक महामहिम सुश्री वीना रेड्डी ने 21 सितंबर, 2021 को यूएसएड के अधिकारियों की एक टीम के साथ राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज), हैदराबाद का दौरा किया और विकासशील देशों में कृषि विकास के लिए मैनेज और यूएसएआईडी के बीच सहयोग को मजबूत करने के लिए एक इंटरफेस मीटिंग में भाग लिया।

इस अवसर पर बात करते समय, उन्होंने जोर देकर कहा कि कृषि विकास में वैश्विक समस्याओं और कोविड महामारी से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान करने के लिए यूएसएआईडी और मैनेज साझेदारी की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा कि नई तकनीकों, नवाचारों और विशेषज्ञता को बढ़ावा देने के माध्यम से भारत के पास वैश्विक स्तर पर कृषि का नेतृत्व करने की काफी संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यूएसएआईडी के सहयोग से मैनेज द्वारा आयोजित 48 फीड-द-फ्यूचर इंटरनेशनल ट्राएंगुलर ट्रेनिंग (एफटीएफ आईटीटी) कार्यक्रम, जिसमें 20 एशियाई और अफ्रीकी देशों के 1273 अधिकारियों को कवर करते हुए भारत और अमेरिका के बीच साझेदारी का एक अच्छा उदाहरण हैं। उन्होंने एशिया और अफ्रीकी क्षेत्र में कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच अधिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. पी. चंद्र शेखर, महानिदेशक, मैनेज ने मैनेज गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी और एशियाई और अफ्रीकी देशों में फीड-द-फ्यूचर इंटरनेशनल ट्राएंगुलर ट्रेनिंग (एफटीएफ आईटीटी) कार्यक्रमों द्वारा बनाए गए प्रभाव को साझा किया। उन्होंने वैश्विक खाद्य सुरक्षा और टिकाऊ कृषि हासिल करने के लिए तीसरे देशों में कृषि पेशेवरों और साझेदार संस्थानों की क्षमता विकसित करने में मैनेज और यूएसएआईडी साझेदारी के लिए आगे का रास्ता प्रस्तावित किया। मैनेज द्वारा प्रशिक्षित एशियाई और अफ्रीकी देशों के 12 से अधिक वरिष्ठ अधिकारियों ने यूएसएड मिशन निदेशक के साथ बातचीत की और अपनी सफलता की कहानियों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के माध्यम से साझा किया।

# जलवायु-स्मार्ट कृषि पर मैनेज-आईसीएआर प्रशिक्षण कार्यक्रम

## कृषि उत्पादकता में सुधार लाने के लिए जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों पर मैनेज-आईसीएआर सहयोगात्मक कार्यक्रम

मैनेज ने 14 से 17 सितंबर 2021 के दौरान आईसीएआर- पूर्वी क्षेत्र के अनुसंधान परिसर, पटना, बिहार के सहयोग से कृषि उत्पादकता में सुधार लाने के लिए जलवायु-स्मार्ट प्रौद्योगिकियों पर एक ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

इन मॉडयूल में पूर्वी भारत के गंगा के मैदानों में आजीविका सुरक्षा के लिए जलवायु स्मार्ट कृषि, पूर्वी भारत में जलवायु लोचशील कृषि मशीनीकरण में नवाचार, जलवायु परिवर्तन परिदृश्यों के तहत किसानों की आय दोगुनी करने के लिए कृषि प्रणाली मोड के तहत मछली उत्पादन, जलवायु स्मार्ट गांव और जलवायु को कम करने में इनकी भूमिका परिवर्तन और संबंधित पहलू पर जोर दिया गया। इसमें आईसीएआर संस्थानों के वैज्ञानिकों, संबंधित विभागों के अधिकारियों और अन्य विस्तार पेशेवरों सहित 57 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

# मैनेज कृषि ज्ञानदीप नॉलेज लेक्चर सीरीस - 7

## डॉ. वी. वी. सदामते, पूर्व कृषि सलाहकार, योजना आयोग, भारत सरकार द्वारा "कृषि विस्तार के इरादे: मेरे अनुभव"

मैनेज ने कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला शुरू की जिसमें कृषि के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों को व्याख्यान के लिए आमंत्रित किया ताकि वार्ता और व्याख्यानों के माध्यम से अपनी जानकारी को साझा कर सकें। ये व्याख्यान देश के प्रत्येक विस्तार पेशेवर तक पहुंचने के लिए मैनेज यूट्यूब चैनल के माध्यम से रिकॉर्ड और प्रसारित किए जा रहे हैं।

डॉ. वी. वी. सदामते, पूर्व कृषि सलाहकार, योजना आयोग, भारत सरकार ने 8 सितंबर, 2021 को मैनेज कृषि ज्ञानदीप ज्ञान व्याख्यान श्रृंखला के हिस्से के रूप में 'कृषि विस्तार के इरादे: मेरे अनुभव' पर एक व्याख्यान दिया।

उन्होंने विभिन्न देशों में परिचालन में विस्तार मॉडल और इन मॉडलों का अध्ययन करने, गुणों की पहचान करने और आंतरिकीकरण का अध्ययन करने की आवश्यकता पर ध्यान केंद्रित किया। महानिदेशक, मैनेज, फैकल्टी मेंबरों और रिसर्च स्टाफ सहित लगभग 100 प्रतिभागियों ने व्याख्यान में भाग लिया। उनका व्याख्यान मैनेज यूट्यूब चैनल पर नीचे दिए गए लिंक पर उपलब्ध है:
https://www.youtube.com/watch?v=3wa4RI-pE6E&list=PLKdGSMvJOxVoJWCJUjqmWhRhw2_T_F9Hs&index=7

# कृषि चाणक्य —2021

वार्षिक बी-फेस्ट "कृषि चाणक्य" का आयोजन 17-19 सितंबर, 2021 के दौरान मैनेज में 'दत्तांश' (डेटा एनालिटिक्स प्रतियोगिता), 'आकांक्षा' (एक बी-प्लान प्रतियोगिता), 'खोज' (एक सामाजिक विचार), 'सुशोधन' (एक केस स्टडी प्रतियोगिता), 'विश्लेषण' (एक वित्तीय मॉडल), 'शिखर' (एक कृषि शिखर सम्मेलन), 'धुरिना' (सर्वश्रेष्ठ प्रबंधक), 'अर्थाचार्य' (एक बिजनेस विचार), फोटोफ्रोलिक, कैंपस एंबेसडर और मानव संसाधन कार्यशाला जैसे कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया गया था। इनमें आईआईएम, आईआईटी, आईएसबी, एक्सएलआरआई, एसआईआईबी, आईआरएमए, एनएमआईएमएस, आईएमटी जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों और अन्य बी-स्कूलों के छात्रों ने बड़ी संख्या में भाग लिया है।

# मैनेज यूट्यूब चैनल ने 25,000 सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार किया

मैनेज यूट्यूब चैनल "मैनेज इंडिया" को 19 मई 2018 को भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू गारू द्वारा लॉन्च किया गया था। इस चैनल ने 16 सितंबर 2021 को 25000 सब्सक्राइबर्स का आंकड़ा पार कर लिया है। इसमें कृषि विषयों, कृषि में प्रख्यात व्यक्तियों द्वारा साक्षात्कार, अभिनव किसान, सफल कृषि उद्यमी, नवीन प्रौद्योगिकियों की सफलता की कहानियां, खेती के तरीके, कार्यशाला की कार्यवाही, सेमिनार, चर्चा और आरकेवीवाई-रफ़्तार कार्यक्रम के तहत कृषि उद्यमियों और कृषि स्टार्टअप द्वारा लघु वीडियो के विशेष संग्रह पर 800 से अधिक सूचनाप्रद वीडियो हैं।

https://www.youtube.com/manageindia

मैनेज बुलेटिन का प्रकाशक :
डॉ. पी.चंद्रा शेखरा, महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500 030, दूरभाष: 040-24594509,
फैक्स: 040-24015388

मुख्य संपादक :
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
संपादक
डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु
एसोसिएट एडिटर
डॉ. के. श्रीवल्ली